

कुटिलता स्त्री. (तत्.) 1. टेढ़ापन 2. खोट, छल, कपट।

कुटिलपन पुं. (तद्.) दे. 'कुटिलता'।

कुटिलिका स्त्री. (तत्.) 1. बिना आहट के पैर दबाकर आना, निःशब्द आगमन 2. लोहार की धौंकनी।

कुट्टित वि. (तत्.) 1. कटा हुआ 2. पिसा हुआ।

कुट्टिम वि. (तत्.) 1. वह भूमि जिस पर कंकड़ पत्थर या ईंटे बैठाई गई हों, पक्का फर्श, गच 2. अनार 3. रत्न की खान 5. कुटी, छोटा घर।

कुटी स्त्री. (तत्.) 1. जंगलों या देहात में रहने के लिए घास फूस से बनाया छोटा घर, पर्णशाला, कुटिया, झोपड़ी 2. मुरा नामक गंधद्रव्य 3. सफेद कुड़ा, कुटज 4. मरुआ नामक पौधा 5. मदिरा 6. लतागृह 7. पुष्प का स्तवक 8. मोड़, घुमाव।

कुटीचक्र पुं. (तत्.) चार प्रकार के संन्यासियों में से पहला, जो शिखासूत्र का त्याग नहीं करता, दंड और कमंडलु रखता है, कषाय पहनता और त्रिकाल संध्या करता है अपने कुटुंबियों और बंधुओं के अतिरिक्त दूसरे के घर भिक्षा नहीं लेता।

कुटीचर पुं. (तत्.) गृहस्थी का भार संतान को सौंप कर तप में लगने वाला संन्यासी।

कुटीर पुं. (तत्.) 1. दे. कुटी 2. रति-क्रिया 3. एक पौधा।

कुटुंब पुं. (तत्.) 1. परिवार, खानदान 2. परिवार के प्रति कर्तव्य कर्म 3. रिश्तेदार 4. नाम 5. जाति 6. समूह जैसे- उसके कुटुंब में पत्नी एक लड़का और दो लड़कियाँ हैं, कुटुंब वंशावली।

कुटुंबिनी स्त्री. (तत्.) 1. एक क्षुद्र गुल्म जो मीठा, संग्रहक, कफ पित्त का नाशक रक्तशोधक प्रण में उपकारी 2. घर गृहस्थी वाली स्त्री, परिवारवाली स्त्री 3. कुटुंब के प्रधान की पत्नी 4. घर की नौकरनी।

कुटुंबी पुं. (तत्.) 1. परिवारवाला 2. कुटुंब के लोग, संबंधी 3. वह व्यक्ति जो किसी वस्तु की देखभाल करता हो 4. किसान।

कुटेक स्त्री. (तद्.) अनुचित दृढ़ता, बुरी जिद।

कुटेव स्त्री. (देश.) खराब आदत, दुर्व्यसन।

कुटेशन पुं. (अं.) दे. कोटेशन।

कुटौनी स्त्री. (देश.) घास कूटने का काम।

कुटौनी पिसौनी स्त्री. (देश.) 1. धान कूटने और गेहूँ पीसने का काम 2. जीविका के लिए कठिन परिश्रम 3. धान कूटने की मजदूरी।

कुट्टनी स्त्री. (तत्.) 1. कुटनी, दूती 2. झगड़ा लगाने के लिए चुगली करने वाली।

कुट्टमित पुं. (तत्.) रति. 1. संयोग शृंगार का एक काल अर्थात् सुख के अनुभव काल में स्त्रियों की मिथ्या दुःखचेष्टा 2. यह 11 प्रकारों के भावों में से एक है, हेमचंद्र ने इसे स्त्रियों के दस अलंकारों में से एक माना है।

कुट्टार पुं. (तत्.) 1. कंबल 2. रति क्रिया 3. पहाड़ 4. पृथक्ता, पार्थक्य।

कुट्टी स्त्री. (तद्.) 1. घास, चारे को छोटे छोटे टुकड़े में काटने की क्रिया 2. गंडासे से बारीक कटा हुआ चारा 3. कूटा और सड़ाया हुआ कागज, जिससे पुट्टे और कलमदान बनते हैं 4. लड़को का एक शब्द जिसका प्रयोग मित्रता तोड़ते समय दाँतों से नाखून खुट से बुलाकर वे करते हैं 5. मैत्रीभंग 6. परकटा कबूतर।

कुठला पुं. (तद्.) 1. अनाज रखने का मिट्टी का बड़ा बर्तन 2. चूने की भट्टी।

कुठाँव स्त्री. (देश.) 1. बुरा ठौर, बुरी ठौरा, बुरी जगह 2. मर्मस्थान 3. शरीर का कोमल अंग मुहा. कुठाँव मारना- मर्म स्थान पर मारना, घोर आघात पहुँचाना, बुरी मौत मरना।

कुठाट पुं. (देश.) 1. बुरा समाज 2. बुरा प्रबंध, बुरा आयोजन।

कुठार पुं. (तत्.) 1. कुल्हाड़ी 2. परशु 3. नाश करनेवाला, कुलकुठार 4. वृक्ष पेड़ (तद्.) अनाज आदि रखने का बड़ा बरतन, काठिला जैसे- कुठार में धान भरा है, उसे खाली कर दे।